प्रकाशन तिथि : 01 अगस्त, 2023
प्रेषण तिथि : 04 अगस्त, 2023

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2021-23
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 27 | अंक 10 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रति: रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

क्षात्रधर्म-पालन की परंपरा का निर्वहन ही संघ का उद्देश्य: संरक्षक श्री

(माननीय संरक्षक श्री का संयुक्त अरब अमीरात का चार दिवसीय प्रवास संपन्न)

श्री क्षत्रिय युवक संघ की स्थापना 22 दिसंबर 1946 को जयपुर में हुई। जो हमारा जन्मजात उद्देश्य है, भगवान ने जिस कुल में हमको उत्पन्न किया है, उसका जो उद्देश्य है, वही श्री क्षत्रिय युवक संघ का भी उद्देश्य है। अलग से कुछ प्राप्त करना संघ का उद्देश्य नहीं है। कई संस्थाओं में अनेक उद्देश्य बताए जाते हैं, लेकिन हमारा एक ही उद्देश्य है - क्षात्रधर्म का पालन करने की परंपरा का निर्वहन करना। हमारे पूर्वजों ने किस प्रकार समाज की रक्षा की, पशु पक्षियों तक की रक्षा के लिए अपने प्राण दिए, उसी को हम त्याग की भावना कहते हैं। जो त्याग नहीं कर सकता वह क्षत्रिय कहलाया तो जा सकता है, लेकिन क्षत्रिय हो नहीं सकता। जो दूसरों की रक्षा में अपना जीवन देते हुए संकोच करता है, वह क्षत्रिय नहीं हो सकता। उपर्युक्त बात श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक माननीय भगवान सिंह जी रोलसाहबसर ने अपने संयुक्त अरब अमीरात के चार दिवसीय प्रवास के दौरान वहां रहने वाले समाजबंधुओं को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि भारतवर्ष की आजादी से पूर्व पूज्य तनसिंह जी के हृदय में एक पीड़ा जगी कि देश तो आजाद हो जाएगा लेकिन इसको चलाने वाले लोग कौन होंगे? कोई जमाना था जब हमारे पूर्वज अलग-अलग टुकड़ों में देश को चलाया करते थे, अब उनकी क्षमताएं भी नष्ट हो रही हैं। राजपूत भी वह राजपूत रहे नहीं, राजपूत केवल एक डिग्री हो गई और पूरे देश में दूसरा कोई ऐसा करने वाला लगता नहीं है। विदेशों में जाकर के पढ़ने की परंपरा तो राजाओं ने बहुत पहले ही प्रारंभ कर दी थी और इसलिए वे राजा तो बने पर राजपूत नहीं बन सके। जो समाज को संरक्षण दे सके, जो समाज की छत बन सके, ऐसे वे नहीं बन सके। इसीलिए वे हमारी किसी भी प्रकार की सहायता नहीं कर सके और ना हम को इस प्रकार का कोई प्रशिक्षण दे सके। नेतृत्व करने की भूख तो उनमें आज भी है लेकिन नेतृत्व के गुण समाप्त हो गए। तो फिर हम क्या करेंगे? कहां से शुरूआत की जाए? इसीलिए पूज्य तनसिंह जी ने युवक लोगों को नजदीक ले करके उनको श्री क्षत्रिय युवक संघ की बात बताई।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

समाज में दुष्प्रवृत्तियों की बाढ़ को रोकने का प्रयास है संघ: सरवड़ी

आज का युग ऐसा है जिसमें दुष्प्रवृत्तियों की बाढ़ आई हुई है और इस बाढ़ में सारी चीजें बह रही है, तो क्या हमें भी उसमें बह जाना चाहिए? लोग चोरी करते हैं तो हम भी कर लें, क्या फर्क पड़ता है, क्या ऐसा सोचना चाहिए? इस बाढ़ से लड़कर इससे बाहर निकलना बहुत मुश्किल है। जब बाढ़ आती है तो उसमें अपने पैर टिकाए रखना बहुत मुश्किल होता है। वैसी ही स्थिति आज हमारे समाज की है। हमारे समाज में द्वेष, लोभ, अहंकार आदि इतना फैला हुआ है कि जो समाज की प्रतिष्ठा हमारे पूर्वजों ने स्थापित की थी उसको हमने मिटा दिया है। जिस प्रकार कोई मकान तोड़ना हो तो थोड़े समय में तोड़ा जा सकता है लेकिन मकान बनाना हो तो उसमें बहुत समय लगता है, साधन और श्रम लगता है। उसी प्रकार समाज में आई हुई इन बुराइयों को, दुष्प्रवृत्तियों को दूर करने के लिए भी अनेकों वर्षों तक मेहनत करनी पड़ेगी। वही काम श्री क्षत्रिय युवक संघ करने का प्रयास कर रहा है। उपर्युक्त बात श्री क्षत्रिय युवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी ने 16 जुलाई को दिल्ली के वसंत कुंज में स्थित आद्यशक्ति कात्यायनी देवी मंदिर के सामुदायिक भवन में आयोजित पारिवारिक स्नेहमिलन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि 77 वर्ष से लगातार संघ इस काम में जुटा हुआ है लेकिन समाज में बहुत कम असर पड़ा है।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

हरियाणा में श्री प्रताप फाउंडेशन का एक दिवसीय राजनीतिक चिंतन शिविर संपन्न

हरियाणा के गुरुग्राम जिले के मानेसर में राज्य के क्षत्रिय राजनीतिक कार्यकर्ताओं का एक दिवसीय चिंतन शिविर 15 जुलाई को श्री प्रताप फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित हुआ। फाउंडेशन के संयोजक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी ने उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ का कार्य बहुत कठिन है क्योंकि आज के मनुष्य का चिंतन अधिक से अधिक प्राप्त करने का है। लेकिन क्षत्रिय का चिंतन ऐसा नहीं होता। वह तो क्षय से सबका त्राण करने वाला होता है। वैसे हम कब बनेंगे? हमारे पूर्वजों को आज भी स्मरण इसीलिए किया जाता है क्योंकि वे दूसरों के लिए मरते थे। लेकिन आज हम केवल यही सोचते हैं कि हम नौकरियों में आगे आ जाएं, राजनीति में आग आ जाएं, उद्योग-धंधों में आगे आ जाएं, लेकिन क्षत्रियत्व के रक्षण की चिंता किसी को नहीं है। (शेष पृष्ठ 7 पर)

प्रतापगढ़ में शिक्षा जागृति सेमिनार का आयोजन

प्रतापगढ़ में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले राजपूत छात्र-छात्राओं के प्रोत्साहन व मार्गदर्शन हेतु 'शिक्षा जागृति सेमिनार' का आयोजन 23 जुलाई को अंबिका बाणेश्वरी हॉस्टल किला परिसर में किया गया जिसमें समाज के अधिकारियों व विशेषज्ञों द्वारा समाज के अभ्यर्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया गया। मेवाड़ क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष विश्वजीत सिंह जाजली (अतिरिक्त निदेशक, पेंशन विभाग, जयपुर) ने स्वागत भाषण में सभी अधिकारियों का स्वागत किया व युवाओं से शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान किया, साथ ही शिक्षा व कैरियर संबंधित कोई भी जानकारी या किसी समस्या के समाधान के लिए हर समय उपलब्ध रहने का आश्वासन दिया। सेवानिवृत्त कर्नल जयराज सिंह अरनोद ने युवाओं को सेना में कैरियर निर्माण के बारे में जानकारी दी। दीपेंद्र सिंह राठौड़ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद, डूंगरपुर) ने प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करते समय ध्यान में रखने योग्य बातें बताई। कृष्ण पाल सिंह (जॉइंट रजिस्ट्रार, रेवेन्यू बोर्ड) ने अपने संघर्ष के बारे में बताया कि मेरे दोनों आंखों की रोशनी नहीं होने के बावजूद भी मैंने आर.ए.एस की परीक्षा उत्तीर्ण की और सरकारी अधिकारी बनकर लोगों की सेवा कर रहा हूं। आपकी इच्छाशक्ति प्रबल होगी तो आप जो चाहो वह कार्य कर सकते हो। धन सिंह राठौड़ (पूर्व विकास अधिकारी, रनोद) व कुलदीप सिंह (एसडीएम पीपलखुट) ने भी अपने विचार रखे। विद्यार्थियों द्वारा रखी गई जिज्ञासाओं का समाधान भी वक्ताओं द्वारा किया गया। अभिमन्यु सिंह पुरावत, जागृति कंवर सिसोदिया, ममता कंवर सिसोदिया, विद्या कंवर भाटी, लोकेंद्र सिंह, नृपाल सिंह, प्रकाश कंवर चुंडावत सहित अनेकों अधिकारी, कर्मचारी व समाजबंधु कार्यक्रम में उपस्थित रहे। अंबिका बाणेश्वरी संस्थान के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चिकलाड ने सभी का आभार व्यक्त किया और समाजबंधुओं से निवेदन किया कि छात्रावास निर्माण में अधिक से अधिक सहयोग प्रदान करें जिससे यह समाज के छात्र-छात्राओं की शैक्षणिक गतिविधियों के लिए काम आ सके। मेवाड़ क्षत्रिय महासभा, अंबिका बाणेश्वरी संस्थान, श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन व करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने व्यवस्था में सहयोग किया। कार्यक्रम का संचालन महिपाल सिंह बोरदिया ने किया।

नेछवा में राजपूत व कायमखानी समाज का स्नेहमिलन संपन्न

सीकर जिले के नेछवा कस्बे में 23 जुलाई को राजपूत व कायमखानी समाज का स्नेह मिलन आयोजित हुआ जिसमें दोनों समाजों में एकजुटता कायम रखने तथा समाज में फैली कुरीतियों व बुराइयों को दूर करने सहित अनेक बिंदुओं पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में जिले की सभी तहसीलों के राजपूत, कायमखानी, रावणा राजपूत व चारण समाज के बंधु उपस्थित रहे। दलपत सिंह गच्छपुरा ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि राजपूत और कायमखानी अपनी वीरता और बहादुरी के लिए प्रसिद्ध है। समाज के युवा अपना इतिहास याद रखते हुए अपने पूर्वजों के मार्ग पर चलें। शिक्षाविद सियाण सिंह राठौड़ ने समाजों में सौहार्द व प्रेम को कायम रखने की बात कही। पंचायत समिति सदस्य जितेंद्र सिंह शेखावत ने दोनों समाजों को संगठित होकर राजनीति में अपना वर्चस्व बनाने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से 51000 पौधे लगाने का संकल्प लेने वाले अजीत सिंह छिंछास का अभिनंदन भी किया गया। राजपूत सभा के जिला अध्यक्ष मदन सिंह गोगावास, दलीप सिंह बड़ागांव, रूपेंद्र सिंह बोची, नसीर खां मोरडूंगा, भंवर सिंह चारण सहित अनेकों वक्ताओं ने अपने विचार रखे। श्री क्षत्रिय युवक संघ के प्रांत प्रमुख जुगराज सिंह जुलियासर भी सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

समारोहपूर्वक मनाया महेशदास जी जसोड़ का शौर्य-स्मृति दिवस

जैसलमेर के चांधन प्रान्त में पूज्य तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त 23 जुलाई को वीर जुंझार महेशदास जी जसोड़ का शौर्य-स्मृति दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। जुंझार की छत्री पर आयोजित कार्यक्रम में सांवला व अन्य गांवों के बंधु उपस्थित रहे। समारोह के प्रारंभ में प्रान्त प्रमुख उम्मेद सिंह बडोड़ागाँव के निर्देशन में सामूहिक यज्ञ किया गया। संभाग प्रमुख तारेंद्र सिंह झिंझनियाली ने श्री क्षत्रिय युवक संघ व पूज्य तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के बारे में जानकारी दी और कहा कि क्षात्रधर्म का पालन करते हुए दो सौ वर्ष पूर्व गायों की रक्षार्थ महेश दास जी ने युवावस्था में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। हमें उनके त्याग व बलिदान की स्मृति को चिरस्थायी रखते हुए प्रेरणा लेनी चाहिए। समारोह में सोहन सिंह, मूल सिंह, सूरत सिंह, आम्ब सिंह, प्रयाग सिंह, आईवीर सिंह, जुंझार सिंह, गिरधर सिंह, रेवंत सिंह, फकीर सिंह, कंवराज सिंह सांवला, लख सिंह जेठा, गायड़ सिंह, रेवंत सिंह भैरवा, गुलाब सिंह सगरा, डूंगर सिंह मूलाना, स्वरूप सिंह दवाड़ा व मगसिंह लाठी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन रतन सिंह बडोड़ा गांव द्वारा किया गया। 23 जुलाई को ही शाम को धायसर गाँव स्थित आईनाथ जी के प्राचीन मंदिर में भी सामूहिक यज्ञ का आयोजन किया गया जिसमें समाजबंधुओं को शताब्दी वर्ष की जानकारी दी गई। इस दौरान प्रान्त प्रमुख उम्मेद सिंह बडोड़ा गाँव सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

राजश्री दयालदास जी खेतसिंहोत की छतरी के संरक्षण की मुहीम

श्री क्षत्रिय युवक संघ के संस्थापक पूज्य श्री तनसिंह के जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त जैसलमेर के बडोडा गांव में राजश्री दयालदास जी की छतरी पर 9 सितंबर को भव्य समारोह का आयोजन होगा जिसके माध्यम से छतरी के संरक्षण अभियान को भी गति दी जा रही है। कार्यक्रम की पूर्व तैयारी हेतु यहां स्थानीय सरपंच बूलसिंह के सहयोग से जेसीबी व ट्रेक्टर द्वारा समतलीकरण का कार्य चल रहा है। जीवनपाल सिंह ने बताया कि यहाँ वृक्षारोपण कर दयालसर (करमेरी) तालाब का सौंदर्य बढ़ाया जाएगा, साथ ही छतरी के संरक्षण के लिए आर्थिक सहयोग भी जुटाया जा रहा है। बासनपीर दक्षिण की सीमा में अवस्थित यह अष्ट खम्भा युक्त भव्य व ऐतिहासिक छतरी साढ़े तीन सौ वर्ष से भी अधिक पुरानी है।

बूंदी में बाबोसा हेमचन्द्रसिंह मॉडर्न लाइब्रेरी का लोकार्पण

महाराव राजा श्री कर्नल बहादुरसिंह राजपूत छात्रावास, रावला का चौक, बून्दी में 23 जुलाई को 'बाबोसा हेमचन्द्रसिंह मॉडर्न लाइब्रेरी' का लोकार्पण ऑल्ड बॉयज सोसायटी व बूंदी जिला क्षत्रिय शिक्षा प्रचारिणी समिति के तत्वाधान में किया। लोकार्पण समाजसेवी हेमचन्द्रसिंह हाडा (आंतरदा, छपावदा व बावड़ी खेड़ा राजपरिवार के सदस्य) के हाथों से किया गया। बाबोसा के नाम से जाने जाने वाले हेमचन्द्रसिंह ने अपनी रेल्वे पुलिस अधिकारी की नौकरी से त्यागपत्र देकर समाज सेवा को चुना और पूरा जीवन समाज सेवा में लगाया। आपने सन् 1983 से 2016 तक महाराव राजा श्री कर्नल बहादुरसिंह राजपूत छात्रावास, बून्दी में वार्डन के रूप में 33 वर्ष तक अवैतनिक सेवा दी। स्थानीय समाजबंधुओं ने पुस्तकालय के लोकार्पण कार्यक्रम में उपस्थित रहकर 91 वर्षीय बाबोसा की सेवा के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की।

कांगो (अफ्रीका) में श्री क्षत्रिय युवक संघ की शाखा प्रारंभ

मध्य अफ्रीकी देश कांगो के लिकासी शहर में श्री क्षत्रिय युवक संघ की शाखा 23 जुलाई को प्रारंभ हुई। वर्तमान में कांगो में निवासरत हरेंद्र सिंह जालिमसिंह का बास व ऋषिराज सिंह विजयपुरा ने यहां रहने वाले प्रवासी समाजबंधुओं के साथ मिलकर यह शाखा प्रारंभ की है। शाखा के प्रथम दिन 11 संख्या रही।

पूज्य श्री तनसिंह जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त विशेष शाखाओं का आयोजन

भाटखेड़ा

माता जी का खेड़ा

खिरियां

पूज्य श्री तनसिंह जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त विभिन्न स्थानों पर विशेष शाखाओं के आयोजन का क्रम निरंतर जारी है। चित्तौड़गढ़ जिले की भदेसर तहसील में पूज्य श्री तनसिंह जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त विशेष शाखा रावला चौक, करेड़िया में 16 जुलाई को आयोजित की गई। केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली ने श्री क्षत्रिय युवक संघ का परिचय देते हुए क्षत्रिय के गुण,धर्म और कर्तव्यों के बारे में विस्तार से बताया। सूर्यकरण सिंह अकोलागढ़ ने अनुषंगिक संगठनों श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन एवं श्री प्रताप फाउंडेशन की जानकारी दी। नरेंद्र सिंह नरधारी ने संघ साहित्य, संघ शक्ति एवं पथप्रेरक के बारे में बताया। तेज सिंह एवं विक्रम सिंह करेड़िया ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में संघ साहित्य, यथार्थ गीता व

तेलाड़ा

पताका का वितरण भी किया गया। 16 जुलाई को ही अजमेर प्रांत की विशेष साप्ताहिक शाखा का आयोजन खिरियाँ गांव में हुआ। सुरजभान सिंह के रावले में आयोजित कार्यक्रम में अजमेर प्रांत प्रमुख विजयराज सिंह जालियां द्वारा दिल्ली में आयोजित होने वाले जन्म शताब्दी समारोह पर चर्चा की गई। देशराज सिंह लिसाड़ीया ने संघ के अनुषंगिक संघठनों द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों के बारे में बताया। वागड़ प्रांत की विशेष शाखा भी इसी दिन पालोदा क्षेत्र के ठीकरिया गांव के रावला परिसर में आयोजित हुई। शंभू सिंह लांबापारडा ने संघ का परिचय दिया। दिलावर सिंह ने सभी से जन्म शताब्दी समारोह में दिल्ली पहुंचने का आग्रह किया। 23 जुलाई को अजमेर प्रांत की विशेष शाखा का आयोजन रावला दरवाजा, तेलाड़ा में किया गया जिसमें प्रांत प्रमुख विजयराज सिंह जालियां सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। 23 जुलाई को ही माता जी का खेड़ा, काकरिया में भी विशेष शाखा आयोजित की गई। केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली, एडवोकेट सुरेंद्र सिंह व गोविंद सिंह काकरिया ने अपने विचार रखे और सभी को दिल्ली पहुंचने का निमंत्रण दिया। इसी दिन कपासन क्षेत्र के भाट खेड़ा गांव में भी विशेष शाखा का आयोजन किया गया जिसमें वरिष्ठ स्वयंसेवक भवानी सिंह मुंगेरिया सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

करेड़िया

गुजरात में विभिन्न स्थानों पर संपर्क यात्राओं का आयोजन

पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में गुजरात के विभिन्न क्षेत्रों में संपर्क यात्राएं व अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। वरिष्ठ स्वयंसेवक बलवंतसिंह पांची द्वारा 93 वर्ष की आयु में 93 गांव में संपर्क करके श्री क्षत्रिय युवक संघ का संदेश पहुंचाने के संकल्प के क्रियान्वयन के क्रम में 18 जुलाई को 9 गांव की यात्रा की गई। हडमताला, दडवा, ढोला गोदडजी, वडोद, रामणका, अलमपर, ईश्वरया, चित्रावाव व चभाड़िया गांव में आयोजित इस संपर्क यात्रा में बलवंत सिंह जी के अतिरिक्त मंगलसिंह धोलेरा, विक्रमसिंह धोलेरा, चंद्रसिंह खंढेरा, अजीतसिंह थलसर, कीर्तिसिंह रामणका और करणसिंह हडमताला भी शामिल रहे। उमराला तालुका राजपूत समाज प्रमुख कीर्तिसिंह रामणका और विक्रमसिंह धोलेरा ने व्यवस्था का जिम्मा संभाला। उत्तर गुजरात संभाग के मेहसाणा प्रांत में वडनगर तहसील के करवटिया, मिजार्पुर, खटासना, सिपोर और सिद्धपुर तहसील के कल्याणा, कालेड़ा, कुंवारा और धनपुरा गांवों में संपर्क यात्रा 16 जुलाई को आयोजित की गई, जिसमें श्री क्षत्रिय युवक संघ और पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के बारे में समाजबंधुओं को जानकारी दी गई व दिल्ली के कार्यक्रम में आने वाले लोगो की सूची बनाई गई।

संपर्क यात्रा में इंद्रजीतसिंह जेतलवासना, अंकितसिंह जेतलवासना, महेशसिंह जगन्नाथ पुरा, दिग्विजयसिंह नंदाली, रणजीतसिंह नंदाली आदि सहयोगी उपस्थित रहे। पालनपुर प्रांत में वडगाम तहसील के मालोसणा गांव में भी 23 जुलाई को एक संपर्क बैठक आयोजित की गई जिसमें प्रांत प्रमुख अजीत सिंह कुणघेर, रामसिह धोता सकलाणा, जसवंतसिह मेजरपुरा उपस्थित रहे। उपस्थित ग्रामवासियों को संघ साहित्य भी वितरित किया गया। बैठक में गांव में साप्ताहिक शाखा प्रारंभ करने का भी निर्णय हुआ। पालनपुर प्रांत के केशवधाम मेगोल चौराहा वडगाम में 16 जुलाई को पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त संघ साहित्य, यथार्थ गीता, पत्रिका, स्टीकर और पोस्टर का वितरण किया गया। केशरसिंह सोलंकी (पूर्व कमिश्नर इनकम टैक्स) व प्रांत प्रमुख अजीत सिंह कुणघेर कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

मामड़ोदा (लाडनूं) में स्नेहमिलन संपन्न

पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त लाडनूं प्रांत के मामड़ोदा गांव में 27 जुलाई को स्नेहमिलन कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम में उपस्थित समाजबंधुओं को पूज्य श्री तनसिंह जी के जीवन के बारे में बताते हुए प्रांतप्रमुख विक्रम सिंह ढींगसरी ने कहा कि क्षत्रिय समाज में महापुरुषों के अवतरण की अनवरत श्रृंखला रही है जिनमें से एक पूज्य श्री तनसिंह जी हैं, जिन्होंने हमें सामूहिक संस्कारमयी कर्मप्रणाली के रूप में श्री क्षत्रिय युवक संघ का मार्ग दिया है। इस मार्ग पर चलकर आज समाज में युवाओं के चरित्र का निर्माण कर उन्हें संस्कारवान बनाने का कार्य किया जा रहा है। पूज्य श्री ने अल्प समय में ही जीवन के विविध आयाम जी कर हम सबके सामने एक आदर्श जीवन प्रस्तुत किया। पूज्य श्री के जन्म का यह शताब्दी वर्ष चल रहा है तथा उनकी 100वीं जयंती 28 जनवरी 2024 को दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में भव्य समारोह के रूप में मनाई जाएगी। कार्यक्रम में उपस्थित गांव के गणमान्य लोगों ने अपेक्षित सहयोग का आश्वासन दिया।

संपादकीय

वोट हमारा साधन है, व्यक्तित्व नहीं

विधानसभा और लोकसभा के चुनाव ज्यों-ज्यों निकट आ रहे हैं, राजनीति का पारा भी चढ़ने लगा है। वैसे तो राजनीति का वास्तविक अर्थ शासन करने की नीति हुआ करता है लेकिन वर्तमान में राजनीति का अर्थ केवल सत्ता प्राप्त करने की नीति तक सिमट कर रह गया है और इसके लक्षणों को देखते हुए तो इसे नीति से अधिक अनीति कहना ही उपयुक्त प्रतीत होता है। सत्ता प्राप्त करने के अपने एकमात्र लक्ष्य के लिए राजनेताओं को जो करना पड़े, वे बेहिचक करते हैं। उनकी निष्ठा केवल सत्ता के प्रति है। यह सत्ता अगर उन्हें किसी राजनैतिक दल के साथ रहने पर मिलने की संभावना है तो वे अपने आपको उसके निष्ठावान और समर्पित कार्यकर्त्ता के रूप में दिखाने के लिए पार्टी को मां भी बताएंगे, उसके लिए बड़े से बड़ा त्याग करने का दावा भी करेंगे लेकिन यदि उस दल में उनकी स्वार्थपूर्ति न हो तो उन्हें दूसरे दल में जाकर नई निष्ठा बनाने में बिलकुल भी समय नहीं लगता। यदि जातीय समीकरण उनके लिए समाज के समर्थन की मांग करते हैं तो वे विभिन्न दावे करके अपने को जाति-समाज का वास्तविक प्रतिनिधि सिद्ध करेंगे लेकिन यदि दूसरे पक्ष के वोट लेने हों तो उन्हें रिझाने के लिए अपने समाज के विरुद्ध हुए कृत्यों को अनदेखा ही नहीं करते बल्कि उन कृत्यों में सक्रिय भूमिका तक निभाने को तैयार हो जाते हैं। चुनावों के और निकट आने के साथ इन राजनेताओं द्वारा नित-नए पैंतरे अपनाये जाएंगे। आरोप-प्रत्यारोप के दौर चलेंगे। दलबदल के साथ निष्ठाओं के बदलने की दौड़ चलेगी। वोटों की त्वरित फसल के लिए समाजों के बीच डाले गए घृणा के बीजों को भरपूर खाद-पानी दिया जाएगा। किसी को नायक तो किसी को खलनायक घोषित करने के प्रायोजित अभियान चलाए जायेंगे। राजनैतिक दलों और राजनेताओं का सत्ता प्राप्ति का ये नियमित खेल है जिसे जीतने के लिए वे हरसंभव प्रयास करते हैं, इस बात की बिना चिंता किए कि इसका देश पर, समाज पर क्या प्रभाव पड़ रहा है। लेकिन यह बात केवल राजनीतिक दलों और राजनेताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि सामान्य नागरिक के रूप में जीवन जीने वाले हम सब लोग भी इस खेल में जाने-अनजाने भागीदार या यूं कहें कि मोहरे बन जाते हैं। कभी हमारी अपनी जाति के प्रति, संस्कृति के प्रति, राष्ट्र के प्रति, धर्म के प्रति अपनत्व की भावना का दोहन करके, हमें भावुक बनाकर राजनेता अपनी स्वार्थसिद्धि के लिए हमारा उपयोग कर लेते हैं तो कभी अन्य जातियों, धर्मों, राष्ट्रों आदि के प्रति भय और शत्रुता का भाव जगाकर हमें किसी के विरुद्ध या किसी के पक्ष में लामबंद कर दिया जाता है। जिन पर हमारा, राष्ट्र का नेतृत्व करने का जिम्मा है, हमारे जीवन को सामाजिक, आर्थिक, कानूनी आदि विभिन्न रूपों में प्रभावित करने वाली नीतियां बनाने का जिन पर दायित्व है, वे राजनेता स्वयं अनैतिकता, स्वार्थ, लोभ और सत्तामद में किस तरह जकड़े हैं, ये चुनावों के ज्वर में स्पष्टता से दिखाई दे जाता है। जब चुनावों का यह ज्वर उतर जायेगा तो सत्ता जिन्हें मिल जाएगी, वे उसका उपभोग करने में लग जाएंगे, जिन्हें नहीं मिल सकेगी वे कुछ सुस्ताकर अगले चुनाव की प्रतीक्षा और तैयारी करने लग जाएंगे और हम सामान्यजन, जो इस राजनीति के खेल में मोहरे बनकर प्रयोग होते हैं, राजनीति को ही अपने और देश के दुर्भाग्य का कारण बता कर उसके दुष्परिणामों को भोगते रहेंगे।

वर्तमान राजनीति के इस अनैतिक और स्वार्थी स्वरूप को हम सभी जानते हैं लेकिन इसका कारण क्या है और इसको ठीक करने का उपाय क्या है, इस पर चिंतन का आज नितांत अभाव है। लेकिन चिंतन करना आवश्यक है क्योंकि इस चिंतन से ही उस चेतना का जागरण सम्भव है जो समाज और राष्ट्र में प्रसारित होकर उपरोक्त वर्णित स्थिति को बदल सकती है। लोकतांत्रिक राजनीति के इस पतन का जो मूल कारण है वह है व्यक्ति का वोट में बदल जाना। लोकतंत्र में सत्ताप्राप्ति का माध्यम वोट है और इसीलिए राजनीति व्यक्ति को केवल एक वोट के रूप में देखती है और येन-केन-प्रकारेण उस वोट को हासिल करने में ही उसकी रुचि होती है। लेकिन व्यक्ति को वोट में बदल देना व्यक्ति के साथ बहुत बड़ा अन्याय है। व्यक्ति की गरिमा, उसके जीवन की व्यापकता, उसके विवेक-गुण-आचरण आदि की महत्ता को उपेक्षित कर जब उसे एक वोट के रूप में ही देखा जाता है तो यह व्यक्ति को बहुत छोटा बना देने का उपक्रम है और आज ऐसा ही हो रहा है। दुर्भाग्य और विडंबना तो यह है कि राजनीतिक व्यवस्था तो व्यक्ति को छोटा बनाने के इस प्रक्रम को चला ही रही है, व्यक्ति स्वयं भी अपने को एक वोट मात्र बनाकर इस कुचक्र का शिकार ही नहीं हो रहा बल्कि इसमें अपनी महत्ता भी समझ रहा है। लोकतांत्रिक राजनीति द्वारा व्यक्ति को एक वोट बनाकर उसका उपयोग करने की यह प्रक्रिया व्यक्ति को साधन समझने की अविकसित और स्वार्थजनित सोच का प्रतिनिधित्व करती है जिसका उद्गम पश्चिम की अधिनायकवादी विचारधारा में हैं। इसके विपरीत भारतीय संस्कृति और विचारधारा व्यक्ति को साधन नहीं साध्य मानती है और इसीलिए वह उसे वोट या किसी अन्य संकुचित रूप में नहीं देखती बल्कि व्यक्ति के सर्वांगीण विकास के लिए उसकी चेतना के उन्नयन को सर्वाधिक महत्त्व देती है। वर्तमान राजनीति के जो दुष्परिणाम है, वे दूर तभी हो सकते हैं जब भारतीयता के इस मूल तत्व को पुनर्प्रतिष्ठित किया जाए और उसी को राजनीतिक और अन्य व्यवस्थाओं का आधार बनाया जाए। आज वोट के रूप में व्यक्ति को साधन बनाने के बजाय वोट को व्यक्ति का साधन बनाने की आवश्यकता है। जब व्यक्ति की चेतना विकसित होगी तभी वह स्वयं वोट के रूप में उपयोग होने की अपेक्षा अपने वोट को साधन के रूप में उपयोग करके लोकतंत्र को सही रूप में लागू कर सकेगा। व्यक्ति की चेतना के विकास में ही चहुंदिशी पतन की समस्या का वास्तविक हल है लेकिन आज का तथाकथित बुद्धिजीवी वर्ग इस प्रकार के दूरदर्शी चिंतन से रहित है और कदाचित वह ऐसा चिंतन रखता भी हो तो उसको क्रियान्वित करने के लिए जिस लंबे संघर्ष की आवश्यकता है, उसका साहस उसमें नहीं है। इसलिए आज समाज और राष्ट्र की समस्याओं के हल के रूप में बुद्धिजीवी वर्ग भी केवल सत्ता-परिवर्तन के उपायों को ही सामने रख पाता है जबकि उससे समस्याएं बदलती अवश्य हैं पर मिटती नहीं। श्री क्षत्रिय युवक संघ इस बात को समझता है और इसीलिए वह सत्ता बदलने या प्राप्त करने को नहीं, बल्कि व्यक्ति की चेतना के विकास को प्राथमिकता देकर कार्य कर रहा है। निश्चित रूप से यह कार्य अत्यंत कठिन और दीर्घसूत्री है, लेकिन इसके अतिरिक्त वर्तमान पतन को रोकने का अन्य कोई उपाय नहीं है। फिर भी इसका अर्थ यह नहीं है कि जब तक हम व्यक्ति निर्माण के माध्यम से राजनीति में शुचिता स्थापित न कर पाएं तब तक राजनीति से मुंह मोड़ लें और उसकी पूर्णरूपेण उपेक्षा करें। क्योंकि यदि ऐसा किया गया तो राजनीति पर दूषित तत्वों की पकड़ और मजबूत होती जाएगी और वहां से यह दूषण समाज में भी प्रसारित होता रहेगा और व्यक्ति निर्माण के कार्य को कठिनतर बनाता जायेगा। इसलिए तात्कालिक उपाय के रूप में यह आवश्यक है कि हम वर्तमान राजनीति में भी सक्रिय भूमिका निभाएं और समाज-सापेक्ष राजनीति करते हुए श्रेष्ठ लोगों का अधिकाधिक समर्थन करें, उन्हें मजबूत करें। याद रखें, वोट हमारा साधन है, हमारा व्यक्तित्व नहीं। इसलिए साधन के रूप में ही उसका सदुपयोग करें, स्वयं साधन बनकर अपना दुरुपयोग न होने दें।

ईडब्ल्यूएस आरक्षण में संशोधन के लिए मंत्रियों व सांसदों को सौंपे व्यक्तिगत पत्र

संसद के मानसून सत्र के दौरान दिल्ली में उपस्थित मंत्रियों व सांसदों को श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के एक प्रतिनिधिमंडल द्वारा व्यक्तिगत पत्र सौंपकर ईडब्ल्यूएस आरक्षण की विसंगतियों को लेकर आर्थिक पिछड़े वर्ग की पीड़ा माननीय प्रधानमंत्री तक पहुंचाने और विसंगतियों को दूर करवाने का आग्रह किया गया। इस अभियान के तहत समाचार लिखे जाने तक राजस्थान के लोकसभा सांसदों में गजेंद्र सिंह शेखावत (केंद्रीय जल शक्ति मंत्री व सांसद जोधपुर), राज्यवर्धन सिंह राठौड़ (सांसद, जयपुर ग्रामीण), रामचरण बोहरा (सांसद, जयपुर), अर्जुन राम मेघवाल (केन्द्रीय कानून मंत्री व सांसद, बीकानेर), कैलाश चौधरी (केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री व सांसद, बाड़मेर), रंजीता कोली (सांसद, भरतपुर), सुभाष बहेरिया (सांसद, भीलवाड़ा), मनोज राजौरिया (सांसद, करौली धौलपुर), कनकमल कटारा (सांसद, बांसवाड़ा), दिया कुमारी (सांसद, राजसमन्द) को पत्र सौंपे गए। इसके अतिरिक्त राजस्थान के राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत, घनश्याम तिवाड़ी व नीरज डांगी को पत्र दिया गया। उत्तरप्रदेश के सांसद बृजभूषण शरण सिंह (कैसरगंज), वीरेंद्र सिंह (बलिया), झारखंड के सांसद पशुपतिनाथ सिंह (धनबाद) व गुजरात के राज्यसभा सांसद शक्ति सिंह गोहिल को भी पत्र सौंपकर माननीय प्रधानमंत्री तक आर्थिक पिछड़े वर्ग की पीड़ा पहुंचाने का आग्रह किया गया।

माधव राठौड़ को सुमनेश जोशी पुरस्कार

24 जुलाई को राजस्थान सरकार द्वारा राज्य के साहित्य को प्रोत्साहित, सम्मानित और संवर्द्धित करने के लिये स्थापित स्वायत्तशासी संस्थान राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर द्वारा वर्ष 2019-20, 2020-21 एवं 2021-22 के बकाया पुरस्कारों की घोषणा की गई। इसमें वर्ष 2019-20 के सुमनेश जोशी पुरस्कार के लिए माधव राठौड़ की कृति 'मार्क्स में मनु ढूंढती' को चुना गया है। 21 हजार की पुरस्कार राशि वाला 'सुमनेश जोशी पुरस्कार' लेखक को उसकी प्रथम प्रकाशित कृति के लिए दिया जाता है।

श्री डूंगरगढ़ (बीकानेर) में तैयारी व संपर्क बैठक संपन्न

पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह व दुगार्दास जयंती की तैयारी हेतु एक तहसील स्तरीय बैठक का आयोजन बीकानेर जिले में श्री डूंगरगढ़ स्थित रघुकुल छात्रावास परिसर में 18 जुलाई को किया गया। वरिष्ठ स्वयंसेवक भरतसिंह सेरूणा ने उपस्थित समाजबंधुओं को श्री क्षत्रिय युवक संघ के उद्देश्य व कार्यप्रणाली के बारे में बताया। बीकानेर संभाग प्रमुख रेवंतसिंह जाखासर ने बताया कि संघ विगत 77 वर्षों से समाज जागरण एवं बालकों में संस्कार निर्माण के कार्य में अनवरत रूप से लगा हुआ है। समाज को एक जाजम पर लाने के लिये संघ समय समय पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करता है। इसी कड़ी में पूज्य तनसिंह जी की 100वीं जयंती दिल्ली में भव्य रूप में मनाई जाएगी। इससे पूर्व बीकानेर संभाग में जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त 5 बड़े आयोजन होंगे। इसी के तहत श्री डूंगरगढ़ में 13 अगस्त को वीर दुगार्दास राठौड़ की जयंती का आयोजन किया जा रहा है जिसके लिये स्वयंसेवक गांव-गांव सम्पर्क कर समाजबंधुओं से भाग लेने का निवेदन करेंगे। श्री डूंगरगढ़ के पूर्व प्रधान छैलू सिह शेखावत ने उपस्थित जनसमूह को अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में पहुंचने का आग्रह किया। बैठक का संचालन जेठूसिंह पुण्दलसर ने किया। कार्यक्रम में पुण्दलसर, जाखासर, केऊ, बरजागसर, नोसरिया, मिंगसरिया, झँझेउ, लखासर, जोधासर, सेरूणा, नारसिसर आदि गांवों से समाजबंधु उपस्थित रहे।

लोकेंद्र सिंह दुगार्पुरा बास्केटबॉल विश्व कप में करेंगे भारत का नेतृत्व

सीकर जिले के पिपराली क्षेत्र के दुगार्पुरा गांव के निवासी लोकेंद्र सिंह शेखावत आगामी सितंबर माह में हंगरी में आयोजित होने वाली 3 ऑन 3 अंडर-17 बॉस्केटबॉल वर्ल्ड कप प्रतियोगिता में भारतीय दल के कप्तान चुने गए हैं। भारत ने पहली बार इस प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया है। लोकेंद्र सिंह इससे पूर्व अंडर -16 व 18 प्रतियोगिता में भी भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और राष्ट्रीय स्तर पर भी विभिन्न प्रतियोगिताओं में उन्होंने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है।

दो भाईयों का राष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिता के लिए चयन

उदयपुर जिले के बिलिया गांव के दो भाईयों ने हाल ही में आयोजित 21वीं राजस्थान राइफल शूटिंग चैंपियनशिप में राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए क्वालीफाई किया है। कोच हिम्मत सिंह राठौड ने बताया कि रामनिवास सीनियर सैकण्डरी स्कूल लोहागल अजमेर में अध्ययनरत अमरदीप सिंह बिलिया ने अन्डर-17 पिस्टल इवेंट में आसाम में होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया। वहीं अमरदीप के छोटे भाई रोबिन सिंह का अंडर-14 वर्ग में केरल में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता हेतु चयन हुआ।

अजय सिंह शेखावत ने भारोत्तोलन में जीता स्वर्ण पदक

झुंझुनूं के अजय सिंह शेखावत ने ग्रेटर नोएडा में 11 से 18 जुलाई तक आयोजित कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में 81 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता है। उन्होंने स्नैच - 136 किग्रा, क्लीन जर्क - 170 किग्रा और कुल वजन लिफ्ट - 306 किग्रा उठाकर जीत हासिल की। झुंझुनू के खुडोत गांव के निवासी अजय सिंह 25 वर्ष की उम्र में 51 पदक जीत चुके हैं जिनमें 14 अंतर्राष्ट्रीय स्वर्ण पदक सम्मिलित हैं। महाराणा प्रताप अवार्ड से सम्मानित शेखावत राष्ट्रमंडल खेलों में पहले भी 338 किलो वजन उठाकर रिकॉर्ड बना चुके हैं।

जिगिशा कंवर का राजस्थान बास्केटबॉल टीम में चयन

बाड़मेर जिले के गेंहू गांव की निवासी जिगिशा कंवर पुत्री नरपत सिंह का राजस्थान की बास्केटबॉल टीम में चयन हुआ है। वे पुंडुचेरी में आयोजित होने वाली 'नैशनल बास्केटबॉल चैंपियनशिप' में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगी।

अरुणा तंवर ने ताइक्वांडो में जीते तिहरे स्वर्ण पदक

भारतीय ताइक्वांडो खिलाड़ी अरुणा सिंह तंवर पुत्री नरेश कुमार ने ऑस्ट्रेलिया में आयोजित प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण पदक जीते हैं। अरुणा ने ब्रिस्बेन में 7 जुलाई को आयोजित ओशिनिया पैरा ताइक्वांडो चैम्पियनशिप में पहला, 8 को जुलाई आयोजित प्रेसिडेंट कप पैरा ताइक्वांडो चैम्पियनशिप में दूसरा और 9 जुलाई को आयोजित ओपन पैरा ताइक्वांडो चैम्पियनशिप में तीसरा स्वर्ण पदक प्राप्त किया। हरियाणा के भिवानी जिले के गांव डिनोद की मूल निवासी अरुणा ने टोक्यो में वर्ष 2020 में आयोजित पैरा ओलिंपिक में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया और अंतिम आठ में पहुंची थी। साथ ही वे ओलंपिक में भाग लेने वाली भारत की पहली ताइक्वांडो खिलाड़ी भी बनी थी। अक्टूबर 2023 में चीन के हांगझू में होने वाले पैरा एशियन गेम्स के लिए भी उनका चयन पहले ही हो चुका है। उन्होंने राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में भी पांच स्वर्ण पदक जीते हैं तथा वर्तमान में ह-49 किग्रा में विश्व में चौथे स्थान पर है।

रचना परमार ने कुश्ती में जीता स्वर्ण पदक

हरियाणा के चरखी दादरी जिले के बौंद खुर्द गांव की निवासी रचना परमार ने जॉर्डन में आयोजित एशियन कुश्ती चैंपियनशिप (अंडर 15) में स्वर्ण पदक जीता है। उन्होंने 39 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में उज्बेकिस्तान की खिलाड़ी को हराकर पदक जीता। रचना के पिता अजीत सिंह गांव के सरपंच हैं।

शिविर सूचना

क्र.सं.	शिविर	समय	स्थान मार्ग आदि
01.	प्रा.प्र.शि.	06.08.2023 से 09.08.2023 तक	**आसलसर,** चूरू।
02.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	11.08.2023 से 14.08.2023 तक	**गुरुग्राम,** हरियाणा।
03.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	13.08.2023 से 15.08.2023 तक	**सोनगढ़,** भावनगर (गुजरात)।
04.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	26.08.2023 से 29.08.2023 तक	**सावर,** अजमेर।
05.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	27.08.2023 से 30.08.2023 तक	**इंदो का बास,** देणोक, जोधपुर।
06.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	27.08.2023 से 30.08.2023 तक	**राणाजी का कोटड़ा,** बाड़मेर।
07.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	27.08.2023 से 30.08.2023 तक	**रमजान की गपन,** बादरानी, बाड़मेर।
08.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	27.08.2023 से 30.08.2023 तक	**सोनियासर,** चुरू।
09.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	27.08.2023 से 30.08.2023 तक	**मीतासर,** चुरू।
10.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	27.08.2023 से 30.08.2023 तक	**चावंडिया,** नागौर।

दीपसिंह बैण्यकाबास, शिविर कार्यालय प्रमुख

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

बेगसर (लाडनूं) और तामडिया (जयपुर) में स्नेहमिलन संपन्न

पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त 23 जुलाई को श्री साधना संगम संस्थान के तत्वावधान में लाडनूं प्रांत के बेगसर में स्नेहमिलन कार्यक्रम आयोजित हुआ। नागौर संभागप्रमुख शिम्भु सिंह आसरवा ने समाजबंधुओं को दिल्ली में होने वाले मुख्य जन्म शताब्दी समारोह हेतु आमंत्रित करते हुए कहा कि पूज्य तनसिंह जी ने अपना जीवन समाज और राष्ट्र के लिए समर्पित किया था। आजादी के आन्दोलन के दौरान जब पूरा देश एक नई अंगड़ाई ले रहा था तब तनसिंह जी ने अपने समाज के भविष्य को देखते हुए एक ऐसा मार्ग प्रशस्त किया जो शताब्दियों तक चलने वाला और विश्वात्मा के दृष्टिकोण को समझकर समाज की सेवा करते हुए परमेश्वर तक पहुंचने का मार्ग है। ऐसे महापुरुष की जन्मजयंती मे सभी को भाग लेकर अपने श्रृद्धासुमन अवश्य अर्पित करने चाहिए। श्री क्षात्र पुरुषार्थ फांउडेशन के सहयोगी जितेंद्र सिंह सांवराद ने कहा कि हमें पूज्य तनसिंह जी के जीवन से प्रेरणा लेकर उनकी शिक्षा का व्यावहारिक रूप से प्रतिपादन करने का प्रयास करना चाहिए। ये मुश्किल है, परन्तु हमें निरन्तर सामाजिकता के भाव के साथ ऐसा करते रहने का अभ्यास करना चाहिए। पूज्य तन सिंह जी नगरपालिका चैयरमेन, विधायक, सांसद रहे परन्तु उनके केन्द्र में सदैव राष्ट्र और समाज रहा और उन्होंने अपने जीवन का हर क्षण और शक्ति का हर अणु इसी निमित्त समर्पित किया। कार्यक्रम में पंचायत समिति सदस्य दशरथ सिंह बेगसर, राम सिंह बेगसर, फतेह सिंह, धनराज सिंह, सुरेंद्र सिंह आदि ने भी विचार व्यक्त किए। भोजराज सिंह, दशरथसिंह, गोरधनसिंह, सरपंच दुर्गासिंह, जगदीश सिंह सिंघाना सहित अनेकों ग्रामवासी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जय सिंह सागुबड़ी ने किया। जयपुर संभाग में चाकसू उपखंड के तामडिया गांव स्थित भैरूजी मंदिर में भी एक स्नेहमिलन कार्यक्रम इसी दिन आयोजित हुआ जिसमें प्रांत प्रमुख देवेंद्र सिंह बरवाली सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। बैठक में आगामी दिनों में तामडिया में लगने वाले प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर की रूपरेखा तय हुई। पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह हेतु दिल्ली जाने के लिए तहसील स्तर पर बसों की व्यवस्था करने के संबंध में भी चर्चा हुई।

चिकित्सा क्षेत्र के क्षत्रिय अधिकारी-कर्मचारी वर्ग का स्नेहमिलन संपन्न

जयपुर स्थित राजपूत सभा भवन में चिकित्सा क्षेत्र में कार्यरत क्षत्रिय अधिकारी-कर्मचारी बंधुओं का स्नेहमिलन कार्यक्रम 23 जुलाई को आयोजित हुआ जिसमें जयपुर के चिकित्सक, प्रशासनिक अधिकारी, नर्सिंग ऑफिसर, पैरामेडिकल ऑपरेटर, टेक्नीशियन आदि के रूप में कार्यरत समाजबंधु सम्मिलित हुए। श्री राजपूत सभा के अध्यक्ष राम सिंह चंदलाई, महामंत्री बलबीर सिंह हाथोज सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। सवाई मानसिंह चिकित्सालय के उपाधीक्षक डॉ एस एस राणावत ने बताया कि इस स्नेहमिलन का मुख्य उद्देश्य है कि समाज के अधिकारी-कर्मचारी आपस में परिचित हों और लोगों को बेहतर ढंग से चिकित्सा सेवा कैसे दी जा सकती है, इस पर चर्चा हो। श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक व जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ. जालम सिंह अग्रोहा ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से सामाजिक भाव बढ़ता है, साथ ही कार्य करने के लिए नई ऊर्जा भी मिलती है। आरयूएचएस के डॉ संजय सिंह शेखावत ने कहा कि हम सभी आपस में मिलते रहें तो इससे एक दूसरे को सहयोग करने का अवसर मिलता है। अन्य सहभागियों ने भी अपने विचार रखे और ऐसे कार्यक्रमों के निरंतर आयोजन की आवश्यकता जताई।

भुज (गुजरात) में बालक व बालिकाओं के प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर संपन्न

गुजरात के भुज शहर में बालक व बालिकाओं के दो अलग-अलग प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 14 से 16 जुलाई तक संपन्न हुए। बालिकाओं का शिविर भुज स्थित एन वी राजपूत कन्या छात्रालय में आयोजित हुआ। उर्मिला बा पच्छेगाम ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविरार्थी बालिकाओं से कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में हमारा खोया हुआ गौरव वापस प्राप्त करने के लिए हमें संगठित होकर क्षत्रिय धर्म का पालन करना पड़ेगा। संघ हमें इसका मार्ग बता रहा है। हमें संघ का इस कार्य में पूरा सहयोग करना है और संघ के शिक्षण को अपने जीवन में उतार कर संघ को अपने परिवार तक भी लाना है। पूज्य श्री तनसिंह जी का संदेश हमें घर-घर तक पहुंचाने के लिए मिल कर कार्य करना है। शिविर में भावनगर, नारी, कनाड, मोरचंद, भुज, वर्मानगर आदि से 130 बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। स्थानीय महिला राजपूत समाज की प्रमुख चेतना बा जाडेजा और छात्रावास की गृहमाता ने व्यवस्था में सहयोग किया। छात्रावास में प्रतिवर्ष एक बालिका शिविर आयोजित करने का आग्रह भी छात्राओं द्वारा किया गया। इसी प्रकार बालकों का शिविर स्थानीय महाराव श्री मदन सिंह जाडेजा बोर्डिंग में आयोजित हुआ। शिविर का संचालन दिग्विजय सिंह पलवाडा ने किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि यह तीन दिन हमारे लिए अविस्मरणीय दिन बन जाने चाहिए। यहां तीन दिनों में किया गया अभ्यास हमारे जीवन का टर्निंग प्वाइंट बन सकता है यदि हम यहां मिली हुई शिक्षा को अपने जीवन में उतार लें। यहां से हमें खाली हाथ वापिस नहीं जाना है, इसलिए पूरे मनोयोग से संघ की बताई बातों को ग्रहण करें। शिविर में भुज बोर्डिंग, नखत्राणा बोर्डिंग, गेड़ी, मुंद्रा, वर्मानगर आदि स्थानों के 60 बालकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। तनसिंह बिजावा ने महाराव श्री मदन सिंह जाडेजा बोर्डिंग ट्रस्ट के सदस्यों के सहयोग से व्यवस्था का जिम्मा संभाला।

जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त अनूपगढ़ में स्नेहमिलन संपन्न

पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त बीकानेर संभाग में अनुपगढ़ जिला मुख्यालय पर स्थित व्यापार मंडल भवन में स्नेहमिलन समारोह 23 जुलाई को आयोजित किया गया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक भागीरथ सिंह सेरूणा द्वारा पूज्य श्री तनसिंह जी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। बीकानेर संभाग प्रमुख रेवंत सिंह जाखासर द्वारा पूज्य श्री तनसिंह जी का जीवन परिचय देते हुए बताया गया कि हम आने वाली पीढ़ी को पूज्य श्री के बताए हुए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित कर सकें तो यही सच्चे रूप में उनकी जन्म शताब्दी मनाना होगा। तनसिंह जी द्वारा दी गई शिक्षा को जीवन में उतारकर ही हम संपूर्ण क्षत्रिय जाति को एक सूत्र में पिरोने में सफल हो सकते हैं। उन्होंने सभी से पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी के अवसर पर दिल्ली में 28 जनवरी 2024 को जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में आने का आग्रह किया और कहा कि हमारे समाज के सभी बंधुओं तक इसकी जानकारी पहुंचे, इसके लिए हमें आज से ही अपने प्रयास आरंभ कर देने चाहिए। पूज्य श्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कौम के इस महायज्ञ में हम अपनी सामर्थ्य अनुसार आहुति दे सकें, इसी उद्देश्य से यह स्नेहमिलन आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में खाल, 2इरट, 68ठढ, 4इछऊ समेजा कोठी, सूरतगढ़, अनुपगढ़ शहर और आस पास गांवों से सैकड़ो समाजबंधुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन नारायण सिंह किस्तुरिया द्वारा किया गया।

(पृष्ठ एक का शेष)

क्षात्रधर्म... संस्कारों का निर्माण, चरित्र का निर्माण किस प्रकार से हो सकता है, वह बताया। उसमें दो मूल सूत्र हैं- नियमितता और निरंतरता। नियमितता का अर्थ है निश्चित समय व निश्चित स्थान पर कोई कार्य किया जाए और निरंतरता का अर्थ है कि वह कार्य रोज किया जाए, लगातार किया जाए। यह बहुत कठिन है। आपको यदि यह कहा जाए कि दो-चार बाल्टी पानी पीपल के पेड़ में डाल दो, तो यह हम कर सकते हैं। लेकिन कहा जाए कि एक लोटा रोज डालना है, तो यह बड़ा मुश्किल है। यह पाठ तनसिंह जी ने हमें समझाया कि रोजाना यह काम नहीं करेंगे तो सफलता नहीं मिलेगी। मन बड़ा लालची है, वह डोल जाता है। इसीलिए गीता में भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को हवा की गति से तेज चलने वाले इस मन को नियंत्रण करने का उपाय अभ्यास और वैराग्य के रूप में बताया। संरक्षक श्री ने आगे वैराग्य और अभ्यास की व्याख्या करते हुए बताया कि वैराग्य का अर्थ भगवा वस्त्र पहनना नहीं है। भगवा वस्त्र पहन के भी लोग राग में उलझे रहते हैं, कुकर्म भी करते हैं। राग का मतलब है लगाव। जिसको हम प्रेम भी कह सकते हैं, आसक्ति भी कह सकते हैं। जहां राग है वहां हम बंध जाते हैं। राग से बंधने पर हम अपने कर्त्तव्य का पालन नहीं कर सकते। हमें सब की सेवा करनी है, परिवार आदि की जिम्मेदारियां भी निभानी है, लेकिन राग में नहीं उलझना है। इसके लिए अभ्यास करें। अभ्यास एक ही काम की बार-बार पुनरावृत्ति को कहते हैं। अभ्यास असंभव को भी संभव बना देता है और उसी से हम राग से मुक्त हो सकते हैं। कर्त्तव्य पालन के लिए हमको अपने राग के घेरे तोड़ने पड़ेंगे। नीति शास्त्र भी कहते हैं कि बड़े हित के लिए छोटे हित का त्याग करना पड़ता है।

19 से 22 जुलाई तक के प्रवास के दौरान मध्य पूर्व के देश संयुक्त अरब अमीरात के विभिन्न क्षेत्रों में संरक्षक श्री के सान्निध्य में कार्यक्रम रखे गए जिनमें वहां रहने वाले समाजबंधु सम्मिलित हुए। 19 जुलाई को साउथ दुबई के र होटल, अल बरशा 2, दुबई में स्नेहमिलन का आयोजन दुबई राजपूत समाज के तत्वावधान में किया गया। ओमार यूसुफ (ट्रांसपोर्टेशन विभाग के ट्रैनिंग डायरेक्टर) ने पुष्प भेंट कर संरक्षक श्री का स्वागत किया। प्रकाश सिंह (चेयरमैन, राणा बिजनेस कॉन्क्लेव, यूएसए), टोरंटो से नरेश सिंह चावड़ा और दुबई राजपूत सभा के संस्थापक दिग्विजयसिंह वर्चुअली कार्यक्रम से जुड़े एवं शेष अनेकों गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम में मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप सिंह बीका द्वारा किया गया। 20 जुलाई को दुबई के मरमुम क्षेत्र में स्नेहमिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन दुबई में निवासरत संघ के स्वयंसेवक लखनपाल सिंह भँवरानी ने सहयोगियों के साथ मिलकर किया। क्षेत्र में रहने वाले क्षत्रिय परिवारों के लगभग 200 समाजबंधु मातृशक्ति सहित कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। माननीय संरक्षक श्री ने 28 जनवरी 2024 को दिल्ली में आयोजित होने वाले पूज्य तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह हेतु सभी को आमंत्रित किया। तत्पश्चात शंका समाधान का कार्यक्रम हुआ जिसमें समाजबंधुओं की जिज्ञासाओं का समाधान संरक्षक श्री द्वारा किया गया। 21 जुलाई को आबूधाबी के स्टेबल एरिया में स्नेहमिलन कार्यक्रम का आयोजन सहयोगी उगम सिंह बेतिना द्वारा किया गया। कार्यक्रम में समाज के लगभग 250 लोग उपस्थित रहे। समाजबंधुओं द्वारा संरक्षक महोदय का शॉल ओढ़ा कर स्वागत किया गया। संरक्षक श्री ने उपस्थित समाजबंधुओं को अपनी संस्कृति व मातृभूमि को भूल न जाने की हिदायत दी। कार्यक्रम के अंत में समाजबंधुओं को यथार्थ गीता पुस्तक भी भेंट की गई। आबूधाबी से माननीय संरक्षक श्री 22 जुलाई को अल-एन स्थित पृथ्वीराज सिंह कोलू के निवास स्थान पधारे। इसके पश्चात पृथ्वीराज सिंह के आग्रह पर अल-एन स्थित उनकी फैक्ट्री पर भी पधारे जहां सबमर्सिबल पंप असेम्बल किये जाते हैं। तत्पश्चात झलोड़ा (जैसलमेर) के निवासी सवाई जी सुथार के अजमान स्थित कार्यालय में संरक्षक श्री का सुथार समाज की ओर से स्वागत किया गया। इसके पश्चात आयुषी बिल्डर्स एंड डवलपर्स के निर्देशक एम डी शर्मा द्वारा स्थानीय सुथार समाज व राजपूत समाज के बंधुओ का सामूहिक स्नेहमिलन कार्यक्रम रखा गया। 23 जुलाई को संरक्षक श्री के सान्निध्य में दुबई स्थित महावीर सिंह बाखासर के निवास स्थान पर स्नेह भोज रखा गया। इसके पश्चात शाम को स्थानीय समाजबंधुओं ने होटल में पहुंच कर संरक्षक श्री से मुलाकात की। 24 जुलाई को बजरंग सिंह व भवानी सिंह जुलियासर के नवनिर्मित रेस्टोरेंट के उद्घाटन में सम्मिलित हुए। शाम को प्रवासी बंधुओं से भेंट के बाद सुरेंद्र सिंह जाचास के यहाँ रात्रि भोजन व विश्राम किया। 25 जुलाई को माननीय संरक्षक श्री पुनः वायुमार्ग से जयपुर के लिये रवाना हुए। प्रवास कार्यक्रम की व्यवस्था दुबई राजपूत समाज की ओर से की गई। पूरी यात्रा में भंवर सिंह पीपासर, जितेंद्र सिंह देवली व विक्रम सिंह मुंगेरिया साथ में रहे।

समाज में... लाखों लोग संघ के शिविर कर चुके हैं लेकिन सब आदर्श क्षत्रिय नहीं बन गए हैं। जो दूसरों के लिए जीवन देता है, जो निष्काम भाव से कर्म करता है, फल की आकांक्षा नहीं करता, आदर्श क्षत्रिय के उस रूप को क्या हम प्रकट कर पाए हैं? नहीं कर पाए। लेकिन फिर भी ऐसा नहीं है कि कोई परिणाम नहीं आया। एक छोटा सा उदाहरण दो साल पहले जयपुर में संघ की हीरक जयंती के रूप में हमने देखा जिसमें लाखों की संख्या में लोग आए और कार्यक्रम के अनुशासन, भव्यता और व्यवस्था को देश-विदेश में सराहा गया। हम क्षत्रिय बनना चाहते हैं तो हमें व्यवस्था में रहना सीखना होगा, अनुशासित रहना सीखना होगा। यदि हम सब मिलकर काम करना प्रारंभ कर दें तो हमारे समाज की क्या प्रतिष्ठा होगी इसकी हम कल्पना कर सकते हैं। लेकिन हमारे समाज में जो अहंकार फैला हुआ है उसके कारण हम आपस में लड़ रहे हैं। इस स्थिति को सही करने के लिए सबका सहयोग चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति अपना उत्तरदायित्व समझे और उसके अनुसार काम करना शुरू करें तो ही यह संभव है। उन्होंने आगे बताया कि श्री क्षत्रिय युवक संघ ने व्यष्टि से समष्टि और समष्टि से परमेष्टि तक पहुंचने का मार्ग दिया है। यदि हम निष्काम भाव से अपने कर्तव्य का पालन करते हैं तो हमारी मुक्ति में कोई संदेह नहीं है, यह स्वयं भगवान का आश्वासन है। कार्य करते हुए हमारे मन में फल की कामना नहीं रहनी चाहिए। समष्टि का अर्थ है समाज। समाज बहुत बड़ा है। पूरे समाज को हम अपना परिवार बना लें यह है व्यष्टि से समष्टि तक पहुंचना। समाज से आगे बढ़कर जब हम पूरी मानव जाति का ही नहीं बल्कि प्राणी मात्र तक के कल्याण की बात सोचने लगते हैं, पूरे विश्व को एकरूप देखते हैं तब हम परमेष्टि तक पहुंचते हैं। श्री क्षत्रिय युवक संघ का ऐसा ही मार्ग है। पूज्य तनसिंह जी ने जब कार्य शुरू किया तब वे भी अकेले ही थे लेकिन धीरे-धीरे कुछ साथी मिले और कार्य आगे बढ़ा। उनका और संघ का खूब विरोध भी हुआ लेकिन क्योंकि वह लगातार चलते रहे, इसलिए आज श्री क्षत्रिय युवक संघ का इतना विस्तृत रूप देखने को मिल रहा है। किसी भी प्रकार का विरोध हो, किसी भी प्रकार की बाधा आए, हम उनसे निरपेक्ष रहकर अपना काम निरंतर करते रहें तो सफलता अवश्य मिलेगी। कोई कुछ भी कर ले, संघ का कुछ बिगड़ने वाला नहीं है। विरोध के माध्यम से भगवान हमारी परीक्षा ले रहा है, इस भाव के साथ सभी विरोधियों को सहन करते हुए चलते रहें क्योंकि समाज हमारा परिवार है और इसके सभी सदस्य हमारे अपने हैं। कार्यक्रम में संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक शंकर सिंह जी महरोली, नारायण सिंह पांडूराई भी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के विभिन्न क्षत्रिय संगठनों एवं संस्थानों के पदाधिकारियों एवं दिल्ली शहर में रहने वाले परिवारों ने स्नेहमिलन में भाग लिया। श्री क्षत्रिय युवक संघ की नेहरू गार्डन, शास्त्री नगर, महाराणा प्रताप भवन फरीदाबाद की शाखाओं के स्वयंसेवकों ने आयोजन व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाली।

हरियाणा में...

हमारे भीतर क्षत्रियत्व जागृत रहे तो ही हमारी राजनीति भी सभी के काम आने वाली बन सकेगी। श्री प्रताप फाउंडेशन का उद्देश्य हमारे अंदर वैसी जागृति पैदा करना है। उसी के लिए ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। आप सब उस जागृति को आगे से आगे बढ़ाएं क्योंकि यह हम सब की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि हमारा संगठित होना सबसे पहले आवश्यक है क्योंकि हमारी एकता को देखकर ही राजनीतिक दल भी हमारी बात मानेंगे, हमें महत्त्व देंगे। हमारी सामूहिक शक्ति तभी प्रकट होगी जब हम अपनी क्षमता के अनुसार कार्य करना शुरू करें, हम एक दूसरे का सहयोग करें। यदि हमें ऐसा लगता है कि दूसरे जो कार्य कर रहे हैं वह ठीक नहीं है तो भी हम विरोध ना करें, चुप रहें क्योंकि यदि हम एक दूसरे की आलोचना ही करते रह गए तो सामूहिक शक्ति का निर्माण नहीं हो सकेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि राजनीति में हमें तब तक महत्ता नहीं मिलती जब तक हम अपने क्षेत्र के राजनैतिक उम्मीदवारों को अपनी उपस्थिति का आभास नहीं कराएं। यह हम तभी करवा सकते हैं जब जमीनी स्तर पर हमारा संगठन मजबूत हो। श्री क्षत्रिय युवक संघ बिना शोर-शराबे के लगातार समाज को धरातल पर मजबूत बनाने का कार्य कर रहा है। संघ केवल राजनैतिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि सभी दृष्टिकोण से समाज को सबल बनाने का कार्य कर रहा है। शिविर में रेखा राणा (पूर्व विधायक), शशि परमार (पूर्व विधायक), शेर सिंह राणा (अध्यक्ष RJP), डॉ हरेंद्र पाल राणा (पूर्व सदस्य HPSC), राव नरेश चौहान (अध्यक्ष राजपूत प्रतिनिधि सभा), भूपेंद्र सिंह चौहान (पूर्व अध्यक्ष बीजेपी गुरुग्राम), अरिदमन सिंह आदि ने भी अपने विचार रखे। इस चिंतन शिविर में हरियाणा के विभिन्न जिलों से 400 से अधिक राजनैतिक कार्यकताओं ने भाग लिया तथा प्रदेश के वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, उसमें राजपूत समाज के जनप्रतिनिधियों की भूमिका और समाज सापेक्ष राजनीति की आवश्यकता के संबंध में चर्चा की गई। 28 जनवरी 2024 को दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में होने वाले पूज्य तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह पर भी चर्चा हुई। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने बैठक का संचालन किया।

विवेक शेखावत ने 12वीं में प्राप्त किए 92 प्रतिशत

सीकर जिले के सेवदडा गांव के निवासी विवेक शेखावत पुत्र रणधीर सिंह ने 12वीं कक्षा (विज्ञान वर्ग) में 92 प्रतिशत अंक प्राप्त किए है। विवेक के दादा स्वर्गीय गोपाल सिंह सेवदडा श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक थे।

द्वादशा कार्यक्रम में पूज्य तनसिंह जी परिचय पुस्तिका का वितरण

डूँगरपुर जिले के झोसावा गाँव में राजभद्र सिंह झोसावा ने 15 जुलाई को अपनी दिवंगत माताजी श्रीमती प्रभात कंवर के द्वादशा कार्यक्रम में उपस्थित सभी समाजबंधुओ को श्री क्षत्रिय युवक संघ के संस्थापक पूज्य श्री तनसिंह जी के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में पूज्य श्री के जीवन परिचय की पुस्तिका का वितरण किया।

सज्जन सिंह राठौड़ को पीएचडी की उपाधि

माधव विश्वविद्यालय के कला संकाय में सहायक प्राध्यापक सज्जन सिंह राठौड़ ने मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। ढूंढा लांबोडी गांव के निवासी राठौड़ ने अपना शोध अनुसंधान कार्य 'मारवाड़ का बगड़ी ठिकाना : एक ऐतिहासिक अध्ययन' विषय पर किया। उन्होंने मीरा गर्ल्स कॉलेज की सहायक आचार्य डॉ. शिल्पा मेहता के निर्देशन में अपना शोध कार्य पूरा किया।

सूबेदार हनुवंत सिंह मेवी खुर्द की शहादत

बीएसएफ की 61 बटालियन में सूबेदार के रूप में अपने कर्त्तव्य का पालन करते हुए पाली जिले के मेवी खुर्द निवासी हनुवंत सिंह राठौड़ 12 जुलाई को शहीद हो गए। वे पश्चिम बंगाल में तैनात थे। 14 जुलाई को उनके पैतृक गांव मेवी खुर्द में राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।

प्रेम सिंह पांचला को भ्रातृशोक

हरिसिंह

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक प्रेम सिंह पांचला के बड़े भाई **हरिसिंह** का निधन 12 जुलाई 2023 को हो गया। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है और शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

एशिया के सबसे बड़े कपड़ा बाजार सूरत (गुजरात) में 80000 कपड़ा व्यापारियों का मार्गदर्शन करने वाली संस्था फेडरेशन आफ सूरत टेक्सटाइल ट्रेडर्स एसोसिएशन (FOSTTA) के डायरेक्टर पद पर राजस्थान राजपूत समाज के ट्रस्टी एवं राजस्थान राजपूत परिषद के संरक्षक

महेन्द्र सिंह भायल (मवड़ी)

को विजयी होने पर
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

शुभेच्छु

सुमेर सिंह	**भोजराज सिंह**	**मदन सिंह**	**मान सिंह**	**रूप सिंह**
तेजमालता	रतन माराज का तला	थईयात	रतन माराज का तला	शेरगढ़
रूघ सिंह	**खेतसिंह**	**श्रवण सिंह**	**हडमतसिंह**	**मदनसिंह**
जाफली	चांदेसरा	घाणेराव	सोमेसरा	बाड़मेर ट्रेवल्स
डूंगरसिंह	**बाबूसिंह**	**चेतनसिंह**	**जेठूसिंह**	**उदयसिंह**
जानसिंह की बेरी	सोनू	भायल बिजलिया	घाणेराव	भाड़ली
कालूसिंह	**स्वरूपसिंह**	**भरतसिंह**	**वीरसिंह**	**दिलीपसिंह**
पादरू	पांयला	तुंबड़ी	आकोड़ा	गड़ा

जोगराज सिंह कांठा (जय मातादी प्रोपर्टीज)

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (मालिक) के लिए मुद्रक व प्रकाशक लक्ष्मणसिंह द्वारा गजेंद्र प्रिन्टर्स, सांगों का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर-302003 (दूरभाष 2313462) से मुद्रित एवं ए/8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 **(दूरभाष: 2466353 व 2466387)** से प्रकाशित। सम्पादक- लक्ष्मणसिंह। Email:- pathprerak1997@gmail.com, Web site:- www.shrikys.org